TDC Part III rd   Dr. Rupashree Jauna
Paper - III rd   Educational Psy

Page No.:
Date: / /

Essay Type Examination

परीक्षा की यह प्रणाली बहुत प्रचलित है और आज भी इसका उपयोग व्यापक रूप से हो रहा है। इसमें पाठ्यक्रम से अधिकारियों या शिक्षकों द्वारा कुछ प्रश्न चुन लिये जाते हैं। प्रश्नों का चयन समग्र रूप से किया जाता है। इसमें विभिन्न स्वरूप के प्रश्नों का निर्माण किया जाता है। कुछ प्रश्न सरल होते हैं और कुछ बड़े कठिन होते हैं। कुछ प्रश्न एक ही वाक्य के होते हैं और कुछ कई खंडों में विभाजित होते हैं। इसी तरह कुछ प्रश्न descriptive तथा कुछ explanatory होता है। इन विविध-प्रश्नों में से छात्रों को केवल पाँच या छः प्रश्नों के उत्तर देने पड़ते हैं। इसके समय (प्रायः तीन-चार घंटे) निश्चित रहते हैं। विद्यार्थियों की उत्तर-पुस्तिका की जाँच परीक्षक करते हैं। परीक्षक द्वारा जो अंक दिए जाते हैं, उसी आधार पर विद्यार्थियों को सफल या असफल घोषित किया जाता है।

Page No.:
Date:

Merits of Essay Type Examination

1- Easy Method – विद्यार्थियों के ज्ञानोपार्जन को जाँचने की यह एक सुगम विधि है। इसके निर्माण में शिक्षकों या अधिकारियों को अधिक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ता है। प्रत्येक पाठ्य से एक या दो प्रश्न चुन लिये जाते हैं और विद्यार्थियों से निश्चित समय में 5-6 प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहा जाता है और उनके प्रश्नोत्तरों के आधार पर उसकी योग्यता की जाँच की जाती है।

2- Extensiveness – इस परीक्षा में विद्यार्थियों को अपने विचारों तथा योग्यताओं को व्यापक रूप में व्यक्त करने का अवसर मिलता है। उन्हें स्वतन्त्रता होती है कि वे किसी प्रश्न का उत्तर अपनी भाषा में अपने ढंग से दे सकते हैं। प्रश्नों का answer तैयार करते समय विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम को सम्पूर्ण रूप से पढ़ना पड़ता है।

Increase in integration and reasoning capacities – इस परीक्षा के तैयारी के

लिए तैयारी करने में विद्यार्थियों को अपने पाठ्यक्रम के आवश्यक अंशों को चुन कर संगठित करना पड़ता है तथा अनावश्यक अंशों को छोड़ देना पड़ता है। इस प्रकार संगठित तथ्यों को भाषाबद्ध करके प्रश्नों का उत्तर देना पड़ता है।

4 increase in creative thinking
इस Examination से विद्यार्थियों के रचनात्मक चिन्तन के विकास में सहायता मिलती है। प्रश्नपत्र में कुछ प्रश्न ऐसे रहते हैं जिन्हें विद्यार्थियों को अपनी बुद्धि तथा योग्यताओं के अनुसार विकसित करना पड़ता है

5 Evaluation of Language – इस परीक्षा में विद्यार्थियों की वास्तविक योग्यता के साथ-साथ उसकी भाषा की भी जाँच हो जाती है

6 – Personality evaluation
7 – Lack of observational fallacy